Risk And Uncertainty

Pranav Shekhar

Assistant Professor

Department of Economics

Notes for PG second semester

Scanned with CamScanner

(जोखिम एवं अनिश्चितता के अंतर्गत व्यक्तिगत चयन)

Individual choise under risk and uncertainty

अभी तक हमने जो भी बाजार के नियम पढ़े, वह निश्चित आर्थिक गतिविधियों के अंतर्गत आते थे जिसमें उपभोक्ता को अपनी प्राथमिकताओं का पता होता था वही विक्रेता को भी यह पता होता था कि उसे किस कीमत पर वस्तु को बेचा जाना है। जिस बिन्दु पर उपभोक्ता एवं उत्पादक के विपरित हित मिलते थे वहाँ निश्चित रूप से संतुलन स्थापित हो जाता है। मगर व्यवहारिक उपभोक्ता व्यवहार में इस तरह की निश्चितता नहीं देखने को मिलती उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति सट्टेबाजी

करता है तो उसका परिणाम निश्चित नहीं है। इसी प्रकार लॉटरी का परिणाम भी निश्चित नहीं है। किसी वस्तु की गुणवत्ता कितनी अच्छी है यह निश्चितता के साथ नहीं कहा जा सकता इसलिए आर्थिक व्यवहार में अनिश्चितता एवं जोखिम का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है क्योंकि व्यावहारिक आर्थिक व्यवहार उतना निश्चित एवं इतनी विचार प्रवृति का नहीं होता जितना बाजार के संतुलन सिद्धांत में बताया गया है। अतः हमें व्यावहारिक रूप से जोखिम, अनिश्चितता एवं खेल के सिद्धांत का अध्ययन करना आवश्यक है क्योंकि यह आर्थिक व्यवहार की वास्तविक एवं व्यावहारिक सिद्धांत है।

⇒ जोखिम एवं अनिश्चितता की अवधारणा (concept of risk and uncertainty) :- हम वर्तमान समय में बहुत सारे ऐसे आर्थिक व्यवहार करते हैं जहाँ जोखिम एवं अनिश्चितता शामिल होती है।

→ जोखिम :- जोखिम से हमारा तात्पर्य ऐसे निर्णयों से है जो निश्चित नहीं होते मगर उनके संभावित परिणाम का आकलन / अनुमान किया जा सकता है। जब भी कोई व्यक्ति या संगठन जोखिम उठाता है तो उसे लाभ हानि का आकलन करना पड़ता है एवं जोखिम का उस निवेश में हो रहे जोखिम का अनुमान लगाया लगाया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति सिक्का उछालता है तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उसके दो ही परिणाम Head / Tail हो सकते हैं। इस प्रकार जोखिम वह स्थिति है जहाँ हम सभी उपलब्ध विकल्पों का अनुमान लगा सकते हैं। इसके

विपरीत अनिश्चितता की परिभाषा की बिल्कुल अलग है जोखिम बड़ा है या छोटा है इसका अनुमान विकल्पों की भिन्नता से (variability of outcomes) से लगा जाता है। यदि विकल्पों में ज्यादा भिन्नता होती है तो जोखिम अधिक होता है और यदि विकल्पों में भिन्नताएँ कम होती है तो जोखिम कम होता है।

→ अनिश्चितता :- अनिश्चितता की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब किसी आर्थिक व्यवहार के परिणामस्वरूप बहुत से विकल्पों की संभावना उत्पन्न हो जाए कि यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि कितने विकल्प हो सकते हैं। अन्य शब्दों में अनिश्चितता वह स्थिति है जहाँ अनुमान नहीं लगाया जा सकता। और जोखिम वह स्थिति है जहाँ अनिश्चितता तो होती है मगर उसका अनुमान लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति या संगठन तेल निकालने के लिए खुदाई कर रहा है तो वह अनिश्चितता की स्थिति में है। क्योंकि उसके परिणाम खुदाई के बाद ही ज्ञात होगा, इसका अनुमान पहले नहीं लगाया जा सकता है।